तक़दीर लिखे से कौन लडे

तक़दीर लिखे से कौन लडे हम शरण में तेरी आ बैठे,
तू दीन दयालु कहलाये तुझसे उमीदे ला बैठे,
तक़दीर लिखे से.....

अपनाले या तू ठुकरा दे कोई और ठिकाना नहीं मेरा,
इस भीड़ में श्याम अकेला हु इक आस भरोसा तू मेरा,
बहते आंसू नहीं रुकते है,
तुझको ना श्याम रुला बैठे,
तक़दीर लिखे से....

देखा न कोई दानी तुझसे हारे का तू ही सहारा है,
बनते है हज़ारो तकदीरे दीनो का तुझसे गुजरा है,
जाये भी और कहा जाए,
हम तेरी पन्हा में आ बैठे,
तक़दीर लिखे से....

कान्हा है कृष्ण कन्हैया तू गिरधर गोविन्द हमारा है,
मन मनमोहन माधव छलियाँ तू कण कण में वास तुम्हारा है,
लेहरी दिल क्या है चीज प्रभु खुद को हम तुम पे लुटा बैठे,
तक़दीर लिखे से....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5611/title/takdeer-likhe-de-kaun-lage-hum-sharn-me-teri-aa-bethe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |